चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	06-02-24	03	2-6

अफगानी छात्रा ने राज्यपाल समक्ष लगाया जय श्रीराम का नारा

बोली- भारत में नहीं महसूस की परिवार की कमी दत्तात्रेय बोले-कृषि की शिक्षा पढ़ाई के साथ समाजसेवा का एक माध्यम

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में चांसलर-स्कालर इंटरेक्शन मीट कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष अफगानिस्तान मूल की मृदा विज्ञान की पीएचडी छात्रा खातेरा काने ने जय श्रीराम का नारा लगाया। खतेरा ने कहा कि अपने देश से वह यहां आकर पढ़ रही हैं। उनको कभी परिवार की कमी महसूस नहीं हुई। छात्रा ने भारत-अफगानिस्तान के रिश्ते और बेहतर होने की बात कही।

इस मौके पर कुलाधिपति ने कहा कि कृषि शिक्षा केवल पढ़ाई नहीं है बल्कि समाजसेवा है। कृषि की पढ़ाई कर रहे छात्र जनसेवा के लिए विशेष योगदान देते हैं। छात्र पढ़ाई करके नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। सभी पाजिटिव मन से आगे बढ़ें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। कुलाधिपति ने कहा कि कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधुनिक दौर में हम सबको यह समझना चाहिए कि कृषि न केवल खेती बल्कि यह जीवन जीने का एक स्थाई तरीका है। विश्वविद्यालय न केवल बढ़ती जनसंख्या का भरण पोषण करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है इसके साथ ही खाद्य गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। यह बड़े हर्ष की बात है कि विश्वविद्यालय के 146 स्नातक विद्यार्थियों ने चैक गणराज्य, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएएस, पोलैंड के विभिन्न प्रमुख संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण पूरा किया है। राज्यपाल ने बताया कि शिक्षा के बाद उन्हें बैंक में अधिकारी के तौर पर नियुक्ति मिली लेकिन उन्होंने नौकरी की बजाय समाजसेवा को चुना। इसी की बदौलत वह आज इस मुकाम पर हैं।

उन्होंने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों से उनकी शोध संबंधी प्रगति को जाना व शोध करने में आने वाली समस्याओं को पूछा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी और उनके विचार बहुत नवाचार व बहुत प्रभावी हैं। राज्यपाल ने छात्रों से समस्याएं पूछीं। छात्रों ने बताया कि तकनीक के युग में उनको आधुनिक तकनीक यदि उपलब्ध हो तो रिसर्च का काम तेजी से हो सकता है। राज्यपाल सिवानी स्थित श्रीमहाराजा अग्रसेन स्कूल के वार्षिक उत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह में भी शामिल हुए । उन्होंने स्कूल के इंडोर खेल स्टेडियम का उद्घाटन भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चांसलर-स्कालर इंटरेक्शन मीट में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय शोधर्थियों के साथ संवाद करते हुए। • पीआरओ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चांसलर-स्कालर इंटरेक्शन मीट में मौजुद विद्यार्थी • पीआरओ

राज्यपाल ने पूछा-रिसर्च क्यों कर रहे : राज्यपाल ने महाविद्यालय सभागार में छात्रों से पूछा कि वह रिसर्च क्यों कर रहे हैं। छात्रों ने जवाब दिया रिसर्च से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। साथ ही देश के अन्नदाता को फायदा होगा। छात्रों ने कहा कि यदि वह पढ़ेंगे तो सोसायटी भी अच्छी होगी। वहीं एक छात्र ने राज्यपाल को बताया कि पह पक्षी की प्रजातियों पर रिसर्च कर रहे हैं। पक्षी जो फसल को बर्बाद करते हैं उसको कैसे रोका जा सकता है। इस दौरान राज्यपाल के समक्ष करीब 26 छात्रों ने अपनी रिसर्च के बारे में बात रखी। शोधार्थियों ने मुख्य तौर पर सस्य विज्ञान, बागवानी, सब्जी विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण, मिल्लेट फसलों के बायोफोर्टिफिकेशन, मयुटेशन ब्रीडिंग, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, टिश्यू कल्चर तकनीक, एग्रोफोरेस्ट्री, सामाजिक विज्ञान, फार्म पावर मशीनरी, सामुदायिक विज्ञान, एफपीओ, मृदा सुधार, नैनोपार्टिकल जैसे विषयों पर अपने शोध संबंधी जानकारियां भी सांझा की।

अफगानिस्तान की छात्रा राज्यपाल के समक्ष अपनी बात रखते हुए।

मीट से शोधार्थियों में शिक्षा के साथ किसानों के प्रति सेवा भाव उत्पन्न होगा : कुलपति

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस चांसलर-स्कालर इंटरेक्शन मीट से शोधार्थियों को और अधिक केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी। किसानों से जुड़ी समस्याएं व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय हमेशा किसानों के हित के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोध करता रहा है। पिछले तीन वर्षों में विश्वविद्यालय ने 44 किस्में विकसित व चिह्नित की है और विश्वविद्यालय मे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समझौते भी करवाएं है जिनसे शोधार्थियों को फायदा हो रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	06-02-24	03	2-5

आयोजन • एचएयू में चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट में कुलाधिपति ने जानी शोध संबंधी प्रगति

कृषि शिक्षा सिर्फ पढ़ाई ही नहीं बल्कि समाजसेवा का एक माध्यम : राज्यपाल

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में किया गया। इसमें प्रदेश के राज्यपाल एवं एचएयू के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय मुख्यातिथि थे और एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने एचएयू के शोधार्थियों से उनकी शोध संबंधी प्रगति को जाना व शोध करने में आने वाली समस्याओं का पूछा। उन्होंने बताया कि कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई है बल्कि समाज सेवा का एक माध्यम है। कृषि छात्र ने केवल लाभ की बल्कि जनसेवा में विशेष योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधुनिक दौर में हम सबको यह समझना चाहिए कि कृषि न केवल खेती बल्कि यह जीवन जीने का एक स्थाई तरीका है। एचएयू की प्रशंसा करते हुए कहा कि विवि खाद्य गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। एचएयू के 146 स्नातक विद्यार्थियों ने चैक गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएएस, पोलैंड के विभिन्न प्रमुख संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पूरा किया है। इसके अलावा राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सिवानी मंडी स्थित श्री महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल के रंगोत्सव आयोजन में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

शोधार्थियों में किसानों के प्रति सेवा भाव उत्पन्न होगा : कुलपति काम्बोज

कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने कहा कि इस चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट से शोधार्थियों को और अधिक केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी व किसानों से जुड़ीं समस्याएं व समाज के लिए निःस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा मिलेगी। एचएयू हमेशा किसानों के हित के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोध करता रहा है। विवि के वैज्ञानिक और शोधार्थी स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग विभागों के साथ मिलकर शोध कार्य किए जा रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में विवि ने 44 किस्में विकसित व चिह्नित की है और विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर समझौते भी करवाए हैं।

अफगानी छात्रा बोली जय श्रीराम, गवर्नर के साथ सांझा किए अपने अनुभव

हकृवि के सभी कॉलेजों के विभिन्न विभागों के पीएचडी कर रहे शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध के विषयों को बताते हुए यह भी सांझा किया कि किसानों व समाज की प्रगति में उनका शोध किस तरह महत्वपूर्ण साबित होगा। पीएचडी छात्रा अफगानिस्तान मूल की खातेरा काने ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि उसे विश्वविद्यालय का माहौल घर जैसा व सौहार्दपूर्ण लगता है। छात्रा ने जय श्रीराम का नारा लगाया। शोधार्थियों ने मुख्य तौर पर सस्य विज्ञान, बागवानी, सब्जी विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण, मिलेट फसलों के बायोफोर्टिफिकेशन, म्युटेशन ब्रीडिंग, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, टिश्यू कल्चर तकनीक, एग्रोफोरेस्ट्री, सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों पर शोध संबंधी जानकारियां सांझा कीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	06-02-24	04	1-6

कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई, बल्कि समाज सेवा का एक माध्यम : राज्यपाल दत्तात्रेय

हकृवि में चांसलर-स्कॉलर इंटरैक्शन मीट में कुलाधिपति ने जानी शोध संबंधी प्रगति, साथ ही शोध करने में आ रही दिक्कतों बारे जानकारी ली

हिसार, 5 फरवरी (राठी):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चांसलर-स्कॉलर इंटरैक्शन मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में किया गया। इसमें हरियाणा के राज्यपाल एवं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय मुख्यातिथि, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों से उनकी शोध संबंधी प्रगति को जाना व शोध करने में आने वाली समस्याओं का पूछा। उन्होंने बताया कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई है, बल्कि समाज सेवा का एक माध्यम है। कृषि छात्र ने केवल लाभ की, बल्कि जनसेवा में भी विशेष योगदान देते हैं। विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी और उनके विचार बहुत नवाचार व बहुत प्रभावी है।

उन्होंने कहा कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधुनिक दौर में हम सबको यह समझना चाहिए कि कृषि न केवल खेती बल्कि यह जीवन जीने का एक स्थाई तरीका है। विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय न केवल बढ़ती जनसंख्या का भरण पोषण करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है इसके साथ ही खाद्य गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है।

उन्होंने कहा कि उन्हे इस महान विश्वविद्यालय का विद्यार्थी होने पर गर्व होना चाहिए व समाज सेवा की भावना से काम करते हुए अपने जीवन को समाज के विकास के प्रति समर्पित करना चाहिए। यह बडे हर्ष की बात है कि विश्वविद्यालय के 146 स्नातक विद्यार्थियों ने चैक गणराज्य, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यू.ए.एस., पोलैंड के विभिन्न प्रमुख संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पूरा किया है।

चांसलर–स्कॉलर इंटरैक्शन मीट में शोधार्थियों के साथ संवाद करते कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय।

राज्यपाल ने अपने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि वे एक गरीब परिवार में जन्मे व काफी संघर्ष के साथ उन्होंने अपनी शिक्षा प्राप्त की। शिक्षा के बाद उन्हे बैंक में अधिकारी के तौर पर नियुक्ति मिली लेकिन अपनी मां के आर्शीवाद के बाद उन्होंने नौकरी की बजाए समाज सेवा को चुना। इसी के बदौलत वह आज इस मुकाम पर है। उन्होंने विश्व विख्यात वैज्ञानिक थॉमस एडिसन का उदाहरण देते हुए बताया कि बल्ब का अविष्कार करते समय उन्हे हजारों बार हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने प्रयास करने नहीं छोड़े और अंत में बल्ब का अविष्कार किया। इससे शोधार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस चांसलर-स्कॉलर इंटरैक्शन मीट से शोधार्थियों को और अधिक केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी व किसानों से जुड़ी समस्याएं व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षकविद् व शोधार्थी उपस्थित रहे।

शोधार्थियों ने रखे अपने विचार

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों के पी.एच.डी. कर रहे शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध के विषयों को बताते हुए यह भी साझा किया कि किसानों व समाज की प्रगति में उनका शोध किस तरह महत्वपूर्ण साबित होगा। इन शोधार्थियों में विदेशी मूल के विद्यार्थी भी शामिल थे। इनमें मृदा विज्ञान की पीएच.डी. छात्रा अफगानिस्तान मूल की खातेरा काने ने कहा क यहां के शिक्षक भी शोध में बहुत सहयोग करते है। साथ ही छात्रा ने जय श्री राम का नारा लगाया।

शोधार्थियों ने मुख्य तौर पर सस्य विज्ञान, बागवानी, सब्जी विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण, मिल्लेट फसलों के बायोफोर्टिफिकेशन, मयुटेशन ब्रीडिंग, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, टिश्यू कल्चर तकनीक, एग्रोफोरेस्ट्री, सामाजिक विज्ञान, फार्म पॉवर मशीनरी, सामुदायिक विज्ञान, एफ.पी.ओ., मृदा सुधार, नैनोपार्टिकल जैसे विषयों पर अपने शोध संबंधी जानकारियां भी सांझा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	06-02-24	03	5-6

हिसार में सोमवार को चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट में कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय हकृवि के वैज्ञानिको व शोधर्थियों के साथ। -हप्र

कृषि शिक्षा समाज सेवा का एक माध्यम : राज्यपाल

हिसार 5 फरवरी (हप्र)

हकृवि में चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट में कुलाधिपति ने जानी शोध संबंधी प्रगति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में किया गया, जिसमें राज्यपाल एवं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय मुख्यातिथि थे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों से उनकी शोध संबंधी प्रगति को जाना व शोध करने में आने वाली समस्याओं का पूछा। उन्होंने बताया कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई है बल्कि समाज सेवा का एक माध्यम है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट से शोधार्थियों को और अधिक केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी व किसानों से जुड़ी समस्याएं व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	06-02-24	04	7-8

एचएयू में चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट में शोधार्थियों के साथ कुलाधिपति एवं राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व कुलपति प्रो. कांबोज। स्रोत : संस्थान

असफलता मिलने पर रुकें नहीं सबक सीख आगे बढ़ें : दत्तात्रेय

माई सिटी रिपोर्टर

एचएयू में चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यपाल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट का आयोजन मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राज्यपाल एवं एचएयू के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों से शोध संबंधी प्रगति पर बातचीत की। शोध करने में आने वाली समस्याओं पर पूछा। उन्होंने थॉमस एडिसन का उदाहरण देते हुए बताया कि बल्ब का अविष्कार करते समय उन्हें हजारों बार असफलता का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने बल्ब अविष्कार होने तक प्रयास करने नहीं छोड़े। उन्होंने कहा कि असफलताओं की वजह से रुको नहीं, सबक सीख आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई है बल्कि समाज सेवा का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधुनिक दौर में हम सबको यह समझना चाहिए कि कृषि न केवल खेती बल्कि यह जीवन जीने का एक स्थायी तरीका है। एचएयू पोषण के साथ ही खाद्य गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है।

विश्वविद्यालय के 146 स्नातक विद्यार्थियों ने चैक गणराज्य, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएएस, पोलैंड के विभिन्न प्रमुख संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण पूरा किया है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि वे स्वयं एक गरीब परिवार में जन्मे व काफी संघर्ष के साथ उन्होंने अपनी शिक्षा प्राप्त की। बैंक में अधिकारी के तौर पर नियुक्ति मिली लेकिन उन्होंने नौकरी की बजाए समाज सेवा को चुना।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि शोधार्थियों को और अधिक केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों के पीएचडी कर रहे शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध के विषयों के बारे में बताया।

अफगानिस्तान मूल की छात्रा ने लगाया जय श्री राम का नारा

मृदा विज्ञान की पीएचडी छात्रा अफगानिस्तान मूल की खातेरा काने ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि उसे विश्वविद्यालय का माहौल घर जैसा व सौहार्दपूर्ण लगता है। उसने बताया कि यहां के शिक्षक शोध में बहुत ही सहयोग करते हैं। साथ ही छात्रा ने जय श्री राम का नारा लगाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	06-02-24	07	2-8

चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट का आयोजन

कृषि शिक्षा केवल पढ़ाई नहीं बल्कि समाज सेवा का माध्यम : बंडारू

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

राज्यपाल एवं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई है बल्कि समाजसेवा का एक माध्यम है। कृषि छात्र ने केवल लाभ की बल्कि जनसेवा में भी विशेष योगदान देते हैं। विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी और उनके विचार बहुत नवाचार व बहुत प्रभावी है। कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय सोमवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट के अवसर पर संबोधन दे रहे थे। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में किया गया। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों से उनकी शोध संबंधी प्रगति को जाना व शोध करने में आने वाली समस्याओं का पूछा।

कुलाधिपति ने जानी शोध संबंधी प्रगति

राज्यपाल ने कहा कि कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधुनिक दौर में हम सबको यह समझना चाहिए कि कृषि न केवल खेती बल्कि यह जीवन जीने का एक स्वाई तरीका है। विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय न केवल बढ़ती जनसंख्या का भरण पोषण करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है इसके साथ ही खाद्य गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें इस महान विश्वविद्यालय का विद्यार्थी होने पर गर्व होना चाहिए व समाज-सेवा की भावना से काम करते हुए अपने जीवन को समाज के विकास के प्रति समर्पित करना चाहिए। यह बड़े हर्ष की बात है कि विश्वविद्यालय के 146 स्नातक विद्यार्थियों ने वैक गणराज्य, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएसए, पोलैंड के विभिन्न प्रमुख संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पूरा किया है।

शोधार्थियों के साथ संवाद करते कुलाधिपति

शोधार्थियों को केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट से शोधार्थियों को और अधिक केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी व किसानों से जुड़ी समस्याएं व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय हमेशा किसानों के हित के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोध करता रहा है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और शोधार्थी स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग विभागों के साथ मिलकर शोध कार्य किए जा रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में विश्वविद्यालय ने 44 किस्में विकसित व चिन्हित की है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों के पीएचडी कर रहे शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध के विषयों को बताते हुए विचार साझा किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	05.02.2024	--	--

कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई बल्कि समाज सेवा का एक माध्यम : राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय

हकृवि में चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट में कुलाधिपति ने जानी शोध संबंधी प्रगति

(चिराग टाइम्स न्यूज)
हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट का आयोजन विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में किया गया जिसमें हरियाणा के राज्यपाल एवं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलाधिपति माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय मुख्यातिथि थे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलाधिपति माननीय श्री बंडारू दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों से उनकी शोध संबंधी प्रगति को जाना व शोध करने में आने वाली समस्याओं का पूछा। उन्होंने बताया कृषि शिक्षा न केवल पढ़ाई है बल्कि समाज सेवा का एक माध्यम है। कृषि छात्र न केवल लाभ की बल्कि जनसेवा में भी विशेष योगदान देते हैं। विश्वविद्यालय के शोधार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी और उनके विचार बहुत शानदार व बहुत प्रभावी है। उन्होंने कहा कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आधुनिक दौर में हम सबको यह समझना चाहिए कि कृषि न केवल खेती बल्कि यह जीवन जीने का एक स्थाई तरीका है। विश्वविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय न केवल जनसंख्या का भरण पोषण करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें इस महान विश्वविद्यालय का विद्यार्थी होने पर गर्व होना चाहिए व समाज सेवा की भावना से काम करते हुए अपने जीवन को समाज के विकास के प्रति समर्पित करना चाहिए। यह बड़े हर्ष की बात है कि विश्वविद्यालय के 148 स्नातक विद्यार्थियों ने चैक गणराज्य, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूएसए, पोलैंड के विभिन्न प्रमुख संस्थानों में अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पूरा किया है। राज्यपाल ने अपने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि वे स्वयं एक गरीब परिवार में जन्मे व काफी संघर्ष के साथ उन्होंने अपनी शिक्षा प्राप्त की। शिक्षा के बाद उन्हें बैंक में अधिकारी के तौर पर नियुक्ति मिली लेकिन अपनी मां के आशीर्वाद के बाद उन्होंने नौकरी की बजाए समाज सेवा को चुना। इसी के बदौलत वह आज इस मुकाम पर है। उन्होंने विश्व विख्यात वैज्ञानिक थॉमस एडिसन का उदाहरण देते हुए बताया कि बल्ब का अविष्कार करते समय उन्हें हजारों बार हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने प्रयास करने नहीं छोड़े और अंत में बल्ब का अविष्कार किया। इससे शोधार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस मीट से शोधार्थियों मे शिक्षा के साथ किसानों के प्रति सेवा भाव उत्पन्न होगा : कुलपति

चिराग टाइम्स न्यूज
कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस चांसलर-स्कॉलर इंटरेक्शन मीट से शोधार्थियों को और अधिक केंद्रित होकर काम करने की प्रेरणा मिलेगी व किसानों से जुड़ी समस्याएं व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने की प्रेरणा मिलेगी। विश्वविद्यालय हमेशा किसानों के हित के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोध करता रहा है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और शोधार्थी स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग विभागों के साथ मिलकर शोध कार्य किए जा रहे है। पिछले तीन वर्षों में विश्वविद्यालय ने 44 किस्मे विकसित व चिन्हित की है और विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर समझौते भी करवाएं है जिनसे शोधार्थियों को फायदा हो रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षाविद् व शोधार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों के पीएचडी कर रहे शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध के विषयों को बताते हुए यह भी साझा किया कि किसानों व समाज की प्रगति में उनका शोध किस तरह महत्वपूर्ण साबित होगा। इन शोधार्थियों में विदेशी मूल के विद्यार्थी भी शामिल थे जिनमें मृदा विज्ञान की पीएचडी छात्रा अफगानिस्तान मूल की खातेरा काबे ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल घर जैसा व सौहार्दपूर्ण लगता है। उसने बताया कि यहां के शिक्षक भी शोध में बहुत ही सहयोग करते है। साथ ही छात्रा ने जय श्री राम का नारा लगाया।

शोधार्थियों ने मुख्य तौर पर सस्य विज्ञान, बागवानी, सब्जी विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण, मिलेट फसलों के बायोफोर्टिफिकेशन, मयूटेशन ब्रीडिंग, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, टिशू कल्चर तकनीक, एग्रोफोरेस्ट्री, सामाजिक विज्ञान, फार्म पॉवर मशीनरी, सामुदायिक विज्ञान, एफपीओ, मृदा सुधार, बैंकपार्टिकल जैसे विषयों पर अपने शोध संबंधी जानकारियां भी सांझा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5-2-24	4	2-6

The Tribune

Sunshine after showers good for rabi season, say agri experts

DEEPENDER DESWAL
TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 5

After showers, the return of sunshine today would benefit the rabi crops as the weather conditions are reaching normal levels. The dry weather is expected over the next few days as no warning of rain has been issued by the weather department.

Agriculture experts say sunny days will neutralise the impact of the prolonged cold conditions that had caused a deficiency of micronutrients in the wheat crops. An Indian Meteorological Department (IMD) report stated that there was a slight decrease (-0.1° Celsius) in today's maximum temperature since yesterday. overall, the temperature was -3.9°C lower than normal.

There was a slight variance in the maximum temperature across the state except in Rohtak, which recorded 16.5°C, the lowest daytime temperature in the state today. The lowest in Rohtak was recorded at 12.8°C, on Sunday night. Across the state, the lowest minimum temperature was recorded in Sirsa, at 8.8°C.

WILL NEUTRALISE IMPACT OF COLD CONDITIONS

Agriculture experts say sunny days will neutralise the impact of the prolonged cold conditions that caused a deficiency of micronutrients in the wheat crops

The IMD report stated that the district so far received 12.6 mm rainfall — 22 per cent below the average of 16.3 mm.

Yamunanagar district received the highest rainfall (38.8 mm), while the lowest rainfall (4.3 mm) was recorded in Mahendragarh district.

Dr Om Prakash Bishnoi, wheat scientist at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Hisar, said there had been a welcome change in the weather conditions in the last couple of days.

"Showers and sunny days are greatly beneficial for the wheat and other rabi crops. The sunshine will make up for the deficiency of the micronutrients in the rabi crops," he said. However, he warned that the farmers must keep an eye out for the yellow rust disease appearing on the wheat crop, as there the possiblity that the rust could still affect crops.

He said he had received complaints from Kanoh village in the district regarding the deficiency of micronutrients in wheat. "I have recommended the mixture of spray for the crop. But now, in favourable conditions, the wheat crop is likely to register growth," he said.

Sunil Kumar, a Kabrel village farmer, said he has observed a change in his wheat crop in one week. Before the showers, the plants had started becoming yellowish in colour. "However, now they have turned dark green, which is a sign of a healthy crop," he said.